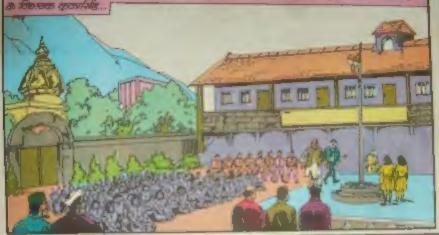






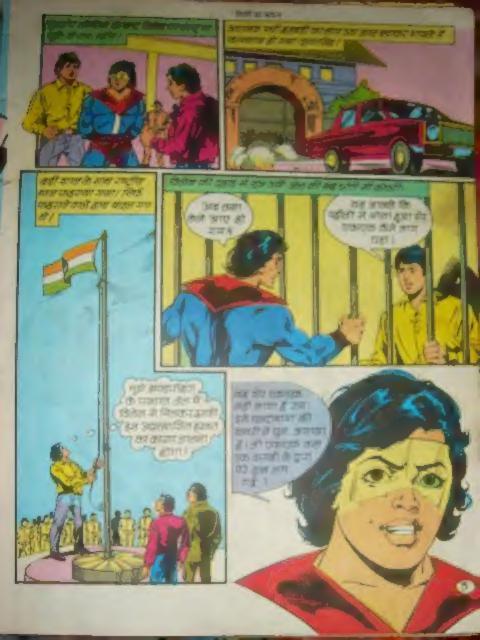
मिर्द्रोप पर्वे १५ असमत – भारती विका प्रतिर का वास्त्य में विवयं का प्रकार के लिए उर्व की थे अस्त्रास्य के विकासक सुरुपतिक्व... [



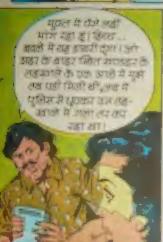








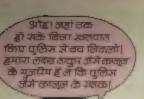




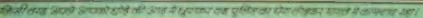












The Winter

















असार्या प्रकार राजाश कार्यां शासा क्षात्रमामामा श्रीप्र क्षाप्रमाले जे के जिए देश अधी सांक-हरूम ए किनोने लका। iner की कीई कावा Bir 911





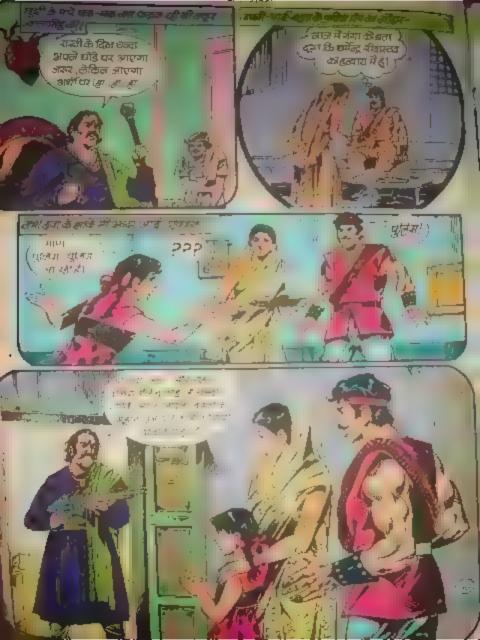


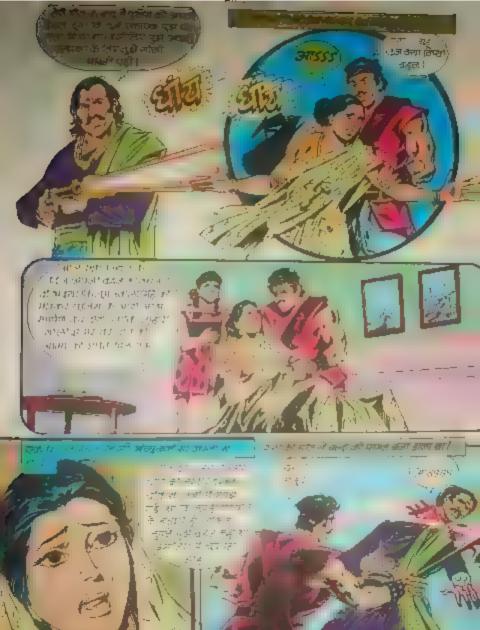


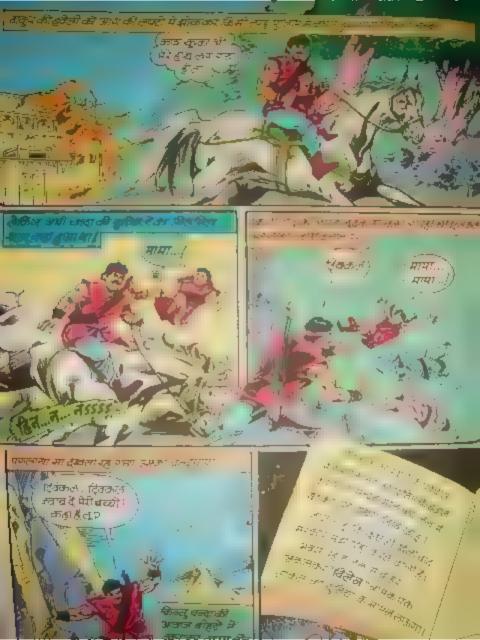














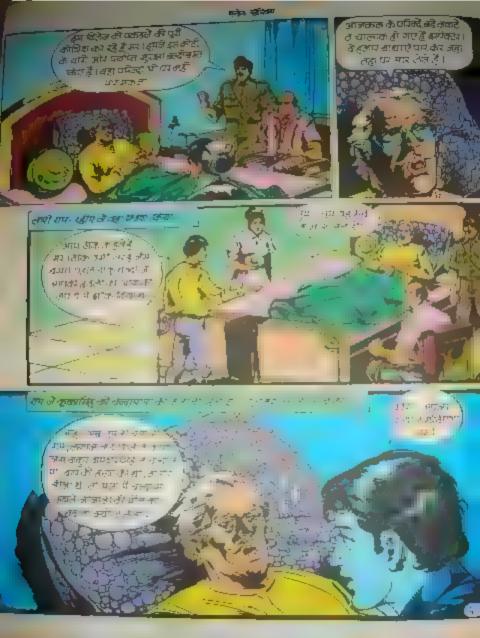


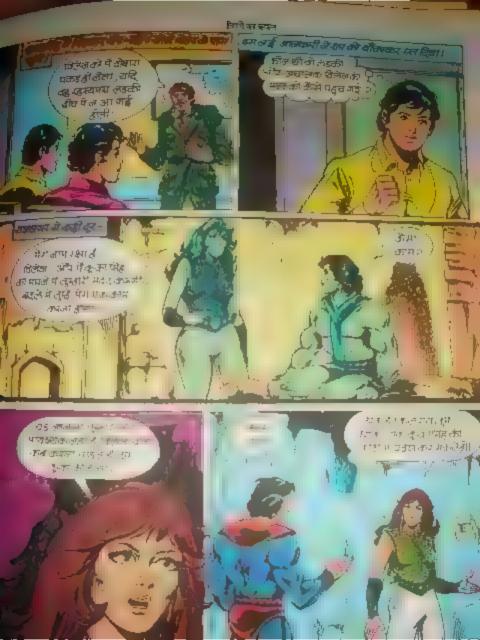














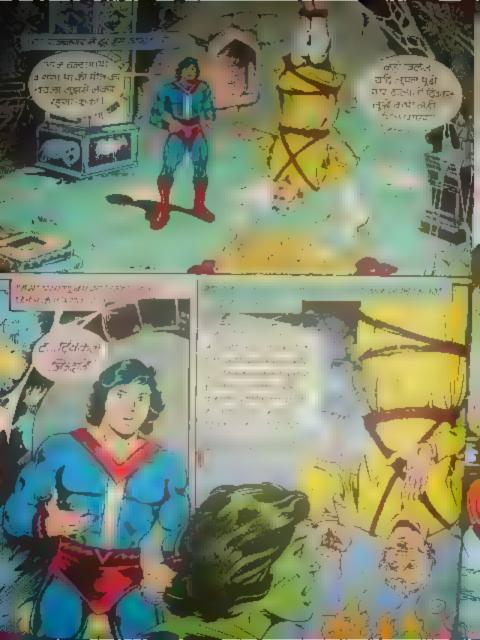


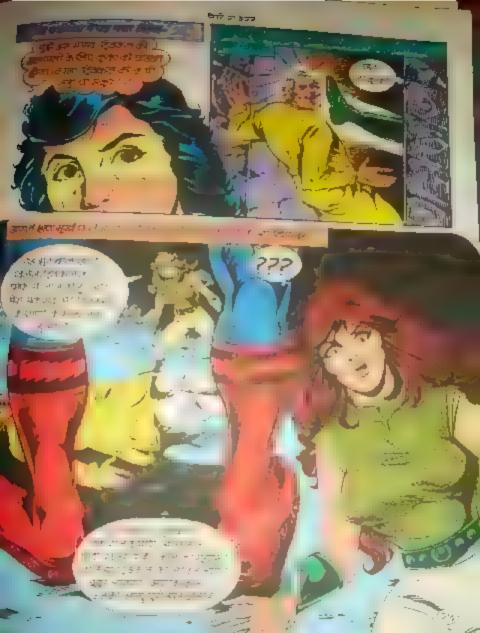




















## क्यांत स्ट्रीयका

















कूर्मावृद्ध भी हमारे करा य पानवता के कन्याम के लिए हुपैया प्रथतकर्य के रहें, उन्हें सच्ची को के लोको थे बेहद, प्याप था। ये द्विसा में बेहद में करते थें। इसी लिए अपन तिस्मा उन्होंने कराने बात हैं।



